THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

MA(Hindi) II SEMESTER : COURSE DESCRIPTION (January to April 2026)

Course title	**हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल** **HISTORY OF HINDI LITERATURE: MODERN PERIOD**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	MAHINC - 404
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Tuesday / 11:00am to 01:00 pm Monday / 9:00 am to 11.00 am
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod & Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description** i) हिंदी साहित्य का आधुनिक काल कई मायनों में विशेष है। इस काल में सामाजिक सुधार आंदोलन, साहित्यिक आंदोलन और विभिन्न वाद, भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का स्वर सुनाई देता है। इन आंदोलनों और वादों के बरअक्स युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण होगा। **ii) उद्देश्य :** • भाषा एवं साहित्य के विद्यार्थियों की योग्यता को विकसित करना। • इतिहास विवेक की महत्ता को आधार प्रदान करना। • नवजागरणकालीन पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित करना। • छायावादोत्तर काव्य की प्रवृत्तियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचित कराना। • राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में आधुनिक साहित्य की भूमिका से परिचित कराना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) / (PSO of the Programme)** • हिंदी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना है। • आधुनिक काल के विविध काव्यान्दोलनों को समझ पाएंगे। • विभिन्न आंदोलन के परिणामस्वरूप भारतीय सामाजिक परिवर्तन से अवगत हो पायेगे। • आधुनिक साहित्य एवं इतिहास के अंतर्गत बदलते भारत की सही तस्वीर का आकलन कर पाएंगे। • स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी कवियों एवं रचनाकारों की भूमिका से परिचित हो सकेंगे। • आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख आंदोलन और वाद के आधार पर भारतीय जन मानस की वैचारिकता में परिवर्तन से अवगत होंगे। **iii) Learning Outcomes:** a) <u>डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)</u> 1. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की विशेषताओं को समझना। 2. आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख आंदोलन और वाद के बारे में जानना। 3. भारतेंदु, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, छायावाद की प्रवृत्तियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचित होना। b) <u>वैल्यू एडिशन (Value Addition)</u> 1. हिंदी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना। 2. छायावादोत्तर दौर के विविध काव्यान्दोलनों को समझना। 3. स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी कवियों की भूमिका से परिचित होना।

	इकाई-1 • हिंदी साहित्य में आधुनिक काल का नामकरण और काल-सीमा: भारतेन्दु-पूर्व हिंदी गद्य। • खड़ीबोली हिंदी गद्य का आरंभ। • फोर्टविलियम कॉलेज की स्थापना एवं हिंदी गद्य साहित्य के विकास में योगदान। • हिंदी का प्रारंभिक गद्य साहित्य। • हिंदी पत्रकारिता का आरंभ। **इकाई-2** **भारतेन्दु युगीन हिंदी साहित्य – 1857 की क्रांति** • सांस्कृतिक पुनर्जागरण। • भारतेन्दु-युगीन साहित्यक परिदृश्य। • भारतेन्द- युग के प्रमुख साहित्यिकार और उनकी साहित्यिक उपलब्धियाँ। • नवीन गद्य विधाओं का आरंभ। • भारतेन्दयुगीन प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संदर्भ। • भारतेन्दु और हिंदी पत्रकारिता। • हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता की भूमिका। **द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य – जागरण काल** • सुधार और परिष्कार। • द्विवेदीयुगीन काव्य का वैशिष्ट्य। • सरस्वती पत्रिका का प्रकाशन – हिंदी साहित्य पर उस का प्रभाव। • द्विवेदीयुगीन काव्य में राष्ट्रीयता, नीति और आदर्श, पौराणिक सन्दर्भ। • प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ। **इकाई-3** **हिंदी साहित्य में स्वच्छन्दतावाद** • छायावाद – रहस्यवाद : परिभाषा एवं स्वरूप। • छायावादी काव्य का प्रवृत्तिगत विश्लेषण, भाषिक वैशिष्ट्य : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी वर्मा का काव्य वैशिष्ट्य। • अन्य छायावादी कवि। • हिंदी की राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा–प्रवृत्तिगत विश्लेषण। **इकाई-4** ▪ छायावादोत्तर काव्य–प्रगतिवादी काव्य, प्रयोगवादी काव्य, नई कविता, अकविता, जनवादी कविता, समकालीन कविता।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ▪ साहित्य का इतिहास दर्शन(साहित्येतिहास) ▪ हिंदी साहित्य का आदिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ भारत में भक्ति आंदोलन का उदय। ▪ हिंदी साहित्य का रीतिकाल – नामकरण और काल-सीमा।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva

	End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading: **संदर्भ ग्रंथ** • हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • हिन्दी साहित्य: उदभव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी • हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह Additional reading: **संदर्भ ग्रंथ** • हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी • हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष : शिवदान सिंह चौहान • हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे • हिन्दी का गद्य सहित्य : रामचनद्र तिवारी • हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय • आधुनिक भारतीय नवजागरण : शैलेन्द्र पांथरी • हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास : बच्चन सिंह • हिन्दी गद्य-विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी • आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय • महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा • भारतेंदु हरिशचंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं : रामविलास शर्मा • भारत में अंग्रेज़ी राज और मार्क्सवाद : रामविलास शर्मा, • और हिन्दी नवजागरण 1857 : प्रदीप सक्सेना • योरप और भारतीय नवजागरण : रामविलास शर्मा, • हिन्दी नवजगारण के अग्रदूत : कमला प्रसादनेशनल बुक ट्रस्ट ,, दिल्ली • हिन्दी नवजागरण : गजेन्द्र पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन • हिन्दी नवजागरण और संस्कृति : शंभुनाथ, आनंद प्रकाशन

Course title	**आधुनिक हिन्दी कविता** **MODERN HINDI POETRY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	MAHINC - 405
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for MA courses only)
Day/Time	Wednesday 09.00 am to 11.00 am and Thursday 11:00 to 1:00pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	**Include the following in the course description** **i)** आधुनिक काल के आंदोलनों और वादों की प्रमुख प्रवृत्तियों के आधार पर अनुमोदित कवियों की संवेदना, उनकी सृजनभूमि एवं वर्तमान अर्थवत्ता और भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।

ii) उद्देश्य :

- आधुनकि काव्य बोध की दिशा और प्रवृत्तियों की समझ को विकसित करना है।
- आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचित कराना।
- काव्य एवं गीत के आस्वादन एवं लेखन कौशल को विकसित कराना है।
- पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) / (PSO of the Programme)

- आधुनिक हिंदी काव्य के परिचय और प्रवृत्तियों के बारे में जान पाएंगे।
- नई कविता और उसके बाद के दौर के विविध काव्यान्दोलनों को समझ पाएंगे।
- आधुनिक हिंदी कविता के प्रतिनिधि कवियों के काव्य से परिचित हो सकेंगे।
- चयनित कविताओं का आस्वाद और विश्लेषण कर सकेंगे।
- सामाजिक सरोकार और व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में काव्य की भूमिका को समझ सकेंगे।
- कविता के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण सजगता और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होगें।

iii) Learning Outcomes :

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)

1. आधुनिक हिंदी काव्य के परिचय और प्रवृत्तियों के बारे में जानना।
2. नई कविता और उसके बाद के दौर के विविध काव्यान्दोलनों को समझना।
3. आधुनिक हिंदी कविता के प्रतिनिधि कवियों के काव्य से परिचित होना।

b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

1. कविता के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण सजगता और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होना।
2. सामाजिक सरोकार और व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में काव्य की भूमिका को समझना।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख आंदोलन और वाद के आधार पर भारतीय जन मानस की वैचारिकता में परिवर्तन से अवगत होना।

इकाई -1

- आधुनिक हिन्दी काव्य धारा : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि
- आधुनिक काव्यान्दोलन : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ, शिल्पगत वैशिष्ट्य एवं प्रमुख कवि

इकाई -2

- सुमित्रानंदन पंत : 'मौन निमंत्रण', 'युगांत'
- प्रसाद : कामायनी- 'चिंता', 'श्रद्धा', 'इडा' और 'लज्जा', सर्ग
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : 'सरोजस्मृति', 'राम की शक्ति पूजा', 'कुकुरमुत्ता'

इकाई 3-

- महादेवी वर्मा : 'यामा'/'निहार'
- मुक्ति बोध : 'अंधेरे में'/ 'ब्रह्म राक्षस'
- अज्ञेय : 'असाध्य वीणा', 'नदी के द्वीप'

इकाई 4-

- नागर्जुन : 'अकाल और उसके बाद', 'हरिजन गाथा'

	• धूमिल : 'पटकथा' • रघुवीर सहाय : 'आपकी हँसी', 'भारत भाग्य विधाता'
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: • आधुनिक हिन्दी काव्य धारा : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि • सुमित्रानंदन पंत : 'मौन निमंत्रण', 'युगांत' • महादेवी वर्मा : 'यामा'/'निहार' • नागर्जुन : 'अकाल और उसके बाद', 'हरिजन गाथा'
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading: संदर्भ ग्रंथ** 1. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा 3. साकेत: एक अध्ययन : नगेन्द्र 4. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा 5. महाप्राण निराला : गंगाप्रसाद विमल **Additional reading: संदर्भ ग्रंथ** 6. कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध 7. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य 8. छायावाद : नामवर सिंह 9. मुक्तिबोध की काव्य चेतना : हुकुमचंद राजपाल 10. अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह 12. नयी कविता के वैचारिक आधार : सुधीश पचौरी 13. रघुवीर सहाय का रचना कर्म : सुरेश शर्मा 14. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा 15. नयी कविताएं एक अन्तः साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी 16. बीसवीं शताब्दी की लम्बी कविताएं : नरेन्द्र मोहन 17. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : ब्रह्मदेव मित्र 18. अलक्षित निराला : सूर्यप्रकाश दीक्षित 19. निराला: एक आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह 20. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध : नित्यानंद तिवारी 21. समकालीन बोध और धूमिल : हुकुमचंद राजपाल

Course title	**सामान्य भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा** General Lingustic & Hindi Language
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	MAHINC – 501
Semester	II
Number of credits	04

Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Thursday / 9.00am to 11.00am and Friday 11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav (Guest Faculty)
Course description	**Include the following in the course description:** i) हिंदी भाषा का उद्भभव एवं विकास, हिंदी के शब्द भंडारों की स्थिति एवं गति, हिंदी भाषा की समस्याएं एवं चुनौतियां तथा देवनागरी लिपि के महत्व पर प्रकाश डाल कर भाषा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत कराना है। **ii) उद्देश्य:** • अपनी चिर परिचित भाषा के विषय में जिज्ञासा की-तृप्ति या शंकाओं का निर्मूलन होगा। • ऐतिहासिक तथा प्रागैतिहासिक संस्कृति का परिचय प्राप्त होगा। • संपूर्ण मानव भाषा की संरचना एवं मानसिक विकास का परिचय मिलेगा। • शब्द, अर्थ, उच्चारण एवं प्रयोग संबंधी अनेक समस्याओं का समाधान होगा तथा शुद्ध भाषा सिखने में सहायक होगा। • विश्व के लिए एक भाषा का विकास में सहायता मिलेगी। • विदेशी भाषाओं को सीखने में सहायता मिलेगी। अनुवाद, टाइप एवं ब्रेल जैसी मशीनों के विकास एवं निर्माण में सहायता मिलेगी। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) / (PSO of the Programme)** • इस प्रश्न पत्र के माध्यम से भाषा और उसके उपयोग का ज्ञान प्राप्त होगा। • भाषाविज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित हो सकेंगी। • विद्यार्थियों को भारतीय भाषा परिवार के द्वारा को ज्ञान से समृद्ध होगें। **iii) Learning Outcomes:** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) 1. हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास समझना। 2. हिंदी के शब्द भंडारों की स्थिति एवं गति को समझना। 3. हिंदी भाषा की समस्याएं एवं चुनौतियां को समझना। b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) 1. भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित करना। 2. विभिन्न भाषाओं के उपांगो एवं विश्लेषणात्मकता को समृद्ध करना। 3. भाषा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत होना। c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) 1. भाषा के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करने में सक्षम होना। 2. भाषा के उपयोग का ज्ञान प्राप्त करना। 3. विभिन्न भाषाओं के बीच तुलना करने में सक्षम होना। d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) 1. भाषा के ज्ञान को व्यावसायिक और शैक्षिक संदर्भों में लागू करने में सक्षम होना। 2. भाषा के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करने में सक्षम होना। 3. विभिन्न भाषाओं के बीच तुलना करने में सक्षम होना। **इकाई-1 भाषा और भाषाविज्ञान** • भाषा और भाषाविज्ञान की परिभाषा। • भाषा-व्यवस्था (लांग) और भाषा - व्यवहार (परोल)। • भाषा और संप्रेषण। • मानवेतर संप्रेषण और मानव-संप्रेषण भाषाविज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ। **इकाई-2 स्वन विज्ञान और स्वनिम विज्ञान**

	• स्वनों का वर्गीकरण। • स्वन- परिवर्तन के कारण। • स्वनिम के भेद : खंडीय एवं खंडेतर। • स्वन, स्वनिम और सहस्वन। • स्वनिम और सहस्वन का निर्धारण। **इकाई-3 : रूप विज्ञान एवं रूपिम विज्ञान** • रूप, रूपिम और सहरूप। • रूपिमविज्ञान। • शब्द और पद। • अर्थतत्व एवं संबंध तत्व। • संबंधतत्व के प्रकार। **इकाई-4 वाक्यविज्ञान, प्रोक्ति एवं अर्थविज्ञान** • वाक्य रचना के आधार। • वाक्य के प्रकार। • वाक्य के निकटतम अवयव। • प्रेक्ति का स्वरूप, प्रोक्ति - विश्लेषण। • शब्द और अर्थ का संबंध। • अर्थ - प्रतीति के साधन। • अर्थ - परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • भाषा और भाषाविज्ञान की परिभाषा। • स्वनों का वर्गीकरण। • रूप, रूपिम और सहरूप। • वाक्य रचना के आधार।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • सामान्य भाषाविज्ञान : बाबूराम सक्सेना • भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी • भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा • आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी • भाषा और समाज : रामविलास शर्मा • भाषा : ब्लूमफील्ड : (अनुवाद : विश्वनाथ प्रसाद) • हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा • सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्ना नारंग • ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल

	• अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Course title	**हिंदी साहित्य : आलोचना** Hindi Literature: Criticism
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	MAHINC – 502
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Friday 09:00 am to 11:00 am and Wednesday 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description:** i) हिंदी आलोचना, हिंदी साहित्य के अध्ययन और विश्लेषण का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसका उद्देश्य साहित्यिक कृतियों की गूणवत्ता अर्थ और उनके प्रभाव का मूल्याकंन करता है। साहित्यिक कृतियों की समझने में मदद करती है। साहित्यिक कृतियों का तुलना के आधार पर उसके अर्थ एवं महत्व को समझने का प्रयास में विवेक एवं दृष्टि पैदा करती है। **ii) उद्देश्य :** • भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना। • साहित्य के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता को विकास करना। • प्रमुख आलोचकों की अवधारणाओं और प्रतिमानों से परिचित कराना। • आलोचना के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उनके आलोचनात्मक विवेक को धार प्रदान करना। • किसी रचना के अर्थ के विस्तार, उसके सृजन के कारणों, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की पड़ताल कराना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)/(PSO of the Programme)** • हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि को समझ पाएंगे। • हिंदी के प्रमुख आलोचकों और उनकी आलोचना दृष्टियों को समझ पाएंगे। • हिंदी आलोचना की प्रकृति, प्रवृत्ति एवं विकासक्रम से परिचित हो पाएंगे। • साहित्यिक कृतियों का मूल्यांकनविश्लेषण कर पाएंगे-। **iii) Learning Outcomes:** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) • हिंदी आलोचना के उद्भव एवं विकास को समझना। • हिंदी साहित्यिक कृतियों के आधार पर आलोचना को समझने की कोशीश करना। • प्रमुख आलोचको के दृष्टिकोण को समझकर मूल्यांकन करना। b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) • हिंदी आलोचना का अर्थ समझते हुए कृतियों का सांगोपांग मूल्यांकन करना। • साहित्यिक कृतियों का मूल्याकंन एवं विश्लेषण करना। • प्रमुख आलोचकों और उनकी आलोचना दृष्टि से परिचित कराना।

	इकाई-1 • हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, शुक्लपूर्व युग की आलोचनाबालकृष्ण भट्ट-, बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्यामसुंदर दास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और शुक्ल युग की आलोचना। **इकाई-2** • शुक्लोत्तर आलोचना आचार्य हजारी प्रसाद -द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, डॉनगेंद्र ., जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'। **इकाई-3** • प्रगतिशील आलोचना शिवदान सिंह चौहान -, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोंध, नामवर सिंह। **इकाई-4** • आधुनिकतावादी आलोचना अज्ञेय -, विजयदेव नारायण साही, धर्मवीर भारती, रामस्वरूप चतुर्वेदी। • हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और प्रमुख आलोचक – शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि • शुक्लोत्तर आलोचना • प्रगतिशील आलोचना • हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और प्रमुख आलोचक
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा • नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा • आस्था और सौंदर्य : रामविलास शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह • इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह • हिन्दी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल • हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी • हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन • साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय • आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय • अनभै सांचा : मैनेजर पाण्डेय • हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल • जायसी ग्रंथावली की भूमिका : रामचन्द्र शुक्ल

	• चिंतामणि-भाग 1,2,3	:	रामचन्द्र शुक्ल
	• त्रिवेणी	:	रामचन्द्र शुक्ल
	• हिन्दी साहित्य की भूमिका	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
	• हिन्दी साहित्य-उद्भव और विकास	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
	• अशोक के फूल	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
	• साहित्य सहचर	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
	• छायावाद	:	नामवर सिह
	• आलोचना का अर्थ - अर्थ की आलोचना	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
	• हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
	• हिन्दी आलोचना	:	रेवती रमण
	• हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	:	नंददुलारे वाजपेयी
	• नया साहित्य: नये प्रश्न	:	नंददुलारे वाजपेयी
	• मुक्तिबोध रचनावली - भाग 5	:	नेमिचंद जैन
	• मलयज	:	रामचन्द्र शुक्ल
	• रस्साकशी	:	वीर भारत तलवार
	• दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र	:	ओमप्रकाश वाल्मीकि
	• बालकृष्ण भट्ट और आधुनिक हिन्दी आलोचना का आरंभ	:	अभिषेक रौशन
	• साहित्यकार की आस्था और अन्य निबंध	:	महादेवी वर्मा
	• हिन्दी आलोचना	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
	• हिन्दी आलोचनाका विकास	:	नंदकिशोर नवल

Course title	**हिंदी साहित्य : कथेतर गद्य साहित्य** Hindi Literature: Non-Fiction Prose
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	e. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	MAHINC – 503
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Tuesday/ 09:00 am to 11:00 am and Monday 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila (PD)
Course description	**Include the following in the course description:** i) आधुनिक युग के नवजागरण काल में निबंध के अतिरिक्त हिंदी गद्य के विकास क्रम में विभिन्न विधाओं की उल्लेखनीय भूमिका रही है, कथेत्तर साहित्य की संवेदना, उसकी पृष्ठभूमि, वर्तमान अर्थवत्ता और उसके भाषागत वैशिष्ट्य से परिचित कराना। **ii) उद्देश्य :** • आधुनिक युग के गद्य साहित्य में कथेत्तर साहित्य की पहचान से छात्रों को अवगत कराना। • हिंदी के गद्यात्मक साहित्य के विभिन्न रूपों के प्रति बोध और उनकी प्रवृत्तिगत समझ को क्षमता

विकसित करना।

- निबंध के स्वरूप और रचना-विधान से परिचित कराना।
- नाटक एवं निबंध के आस्वादन और विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना।
- नाटक तथा अन्य गद्य विधाओं के स्वरूप, रचना-विधान और रंगमंचीय पक्ष से परिचित कराना।
- जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, एकांकी, यात्रा वृतांत आदि कथेत्तर गद्य विधाओं में रचनात्मक विशेषताओं को बताना।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)/(PSO of the Programme)

- साहित्य के कथेत्तर गद्य विधाओं की पृष्ठभूमि अवधारणा, भाषागत वैशिष्टय का परिचय प्राप्त होगा।
- नाटक और निबंध के स्वरूप, तत्व और उसके महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- नाटक एवं निबंध की परंपरा से अवगत हो सकेंगे।
- नाटक एवं निबंध के आस्वादन, समीक्षा और विश्लेषण की क्षमता बढ़ेगी।
- जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत आदि कथेत्तर गद्य विधाओं में विश्लेषण की दृष्टि विकसित होगी।

iii) Learning Outcomes :

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes)

1. आधुनिक युग के गद्य साहित्य में कथेत्तर साहित्य की पहचान से अवगत होना।
2. हिंदी के गद्यात्मक साहित्य के विभिन्न रूपों के प्रति बोध और उनकी प्रवृत्तिगत समझ को विकसित करना।
3. निबंध के स्वरूप और रचना-विधान से परिचित होना।

b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

1. नाटक एवं निबंध के आस्वादन और विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना।
2. नाटक तथा अन्य गद्य विधाओं के स्वरूप, रचना-विधान और रंगमंचीय पक्ष से परिचित होना।
3. जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, एकांकी, यात्रा वृतांत आदि कथेत्तर गद्य विधाओं में रचनात्मक विशेषताओं को समझना।

इकाई-1

- हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास।
- गद्य विधाओं की रचनात्मक विशेषताएँ।
- हिंदी गद्य की शैलियाँ।

इकाई-2

नाटक :

- अंधेर नगरी अथवा भारत दुर्दशा : भारतेंदु हरिश्चंद्र
- चंद्रगुप्त अथवा ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन अथवा आधे अधूरे : मोहन राकेश
- अंधा युग : धर्मवीर भारती

इकाई-3

निबंध

- लोभ और प्रीति (1-चिंतामणि भाग) : रामचन्द्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र

इकाई-4

	• संस्मरण - ठकुरी बाबा : महादेवी वर्मा • जीवनी - आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर • व्यंग्य रचना - भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई • यात्रा वृतांत - सफेद रातें और हवा : निर्मल वर्मा
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास। • अंधेर नगरी अथवा भारत दुर्दशा : भारतेंदु हरिश्चंद्र • लोभ और प्रीति (चिंतामणि भाग-1) : रामचन्द्र शुक्ल • संस्मरण - ठकुरी बाबा : महादेवी वर्मा
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - : दशरथ ओझा • भारतेंदु युग : रामविलास शर्मा • नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येन्द्र तनेजा • हिन्दी नाटक: सिद्धान्त और विवेचन : गिरीश रस्तोगी **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • रंगमंच : कला और दृष्टि : गोविन्द चातक • अंधा युग पाठ और प्रदर्शन - : जयदेव तनेजा • मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी • जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन : विनोद शाही • नाटकालोचन के सिद्धान्त : सिद्धनाथ कुमार • दृश्य अदृश्य : नेमिचंद्र जैन • रंग दस्तावेज : सौ साल (भाग 1, 2) : महेश आनंद • हिंदी नाटक : बच्चन सिंह • रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र : देवेन्द्रराज अंकुर • प्रतिनिधि हिंदी निबन्धकार : विभुराम मिश्र • आधुनिक हिंदी साहित्य : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय • हिंदी गद्य बोली का विकास : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा • साहित्य सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिंदी निबंध के आधार स्तम्भ : हरिमोहन • हिंदी रेखाचित्र : मक्खन लाल शर्मा • हिंदी का कथेतर गद्य - परम्परा और प्रयोग : प्रो. सं. दयानिधि मिश्र

हिन्दी विभाग/Department of Hindi
साहित्यिक अध्ययन संकाय/School of Literary Studies
अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय
The English and Foreign Languages University
हैदराबाद-500007 (भारत)/Hyderabad-500007(India)